अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल(म.प्र.)

परीक्षा की योजना
और
पाठ्यक्रम विवरण

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि

डिजास्टर मैनजमेंट
(आपदा प्रबंधन)

(एक वर्षीय पाठ्यक्रम)

सत्र 2020-21

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल(म.प्र.)

प्रश्न पत्र
आपदा प्रबंधन का परिचय
आपदा प्रबंधन के लिए सूचना संचार प्रौद्योगिकी 'आईसीटी'
जोखिम आंकलन एवं भेद्यता विश्लेषण
आपदा प्रबंधन में अनुसंधान पद्धति
आपदा तैयारी
आपदा प्रतिक्रिया
पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरूत्थान
आपदा प्रवंधन नीति एवं प्रशासन

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

डिजास्टर मैनजमेंट

(आपदा प्रबंधन)

अकादमिक सत्र 2020–21

परीक्षा योजना – सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों के लिए निर्देशः समय 3 घंटे

(अ) 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 10 अंक निर्धारण – 10
(बहु वैकल्पीय उत्तर) प्रत्येक – 01 अंक

नोट– वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेंगे।

2. लघुउत्तरीय प्रश्न – 05 अंक निर्धारण –15
प्रत्येक – 03 अंक

नोट – प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेंगे।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 05 अंक निर्धारण – 45
(आंतरिक विकल्प के साथ) प्रत्येक – 09 अंक

नोट – प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चयन किये जायेगे।

अधिन्यास / (एसाइन्मेंट) कार्य अंक – 30

प्रायोगिक कार्य

अंक – 100 उत्तीर्णांक – 40

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30 उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

प्रथम प्रश्नपत्र – आपदा प्रबंधन का परिचय

अध्ययन के उद्देश्य

• विभिन्न प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के बारे में छात्रों को उन्मुख करना |

• आपदा प्रबंधन के विभिन्न चरणों पर आपदा प्रबंधन एवं किए जाने वाले उपाय की अवधारणा की शिक्षा देना |

• आपदा प्रबंधन के वैश्विक, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के परिदृश्य के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करना |

भाग 1 - परिचय

इकाई 1: खतरा, जोखिम, भेद्यता, आपदा |

इकाई 2: आपदा प्रबंधन, अर्थ, प्रकृति का महत्व, आपदा प्रबंधन के आयाम एवं संभावनाएं, आपदा प्रबंधन चक्र।

इकाई 3 : राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन ढांचा; आपदा प्रबंधन के लिए वित्तीय व्यवस्था, आपदा न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय रणनीति।

भाग 2 - प्राकृतिक आपदाएं

इकाई 1: प्राकृतिक आपदाएं- प्राकृतिक आपदाओं के अर्थ एवं स्वरूप, उनके प्रकार एवं प्रभाव

इकाई 2: जलीय आपदाएं - बाढ़, आकस्मिक बाढ़, सूखा, बादल फटना

इकाई 3: भूगर्भीय आपदाएं- भूकंप, भूस्खलन, हिमस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, पंक प्रवाह

इकाई 4: पवन से संबंधित- चक्रवात, तूफान, तूफानी लहर, ज्वारीय तरंगें

भाग 3 - मानव निर्मित आपदा

इकाई 1: CBRN - रासायनिक आपदाएँ, जैविक आपदाएँ, विकिरणीय आपदाएं , नाभिकीय आपदाएं

इकाई 2: आग - भवनों , कोयला खानों , वनों , तेल शोधन /भंडारण स्थलों में आग

इकाई 3: दुर्घटनाएँ- सड़क दुर्घटनाएँ, रेल दुर्घटनाएँ, हवाई दुर्घटनाएँ, समुद्री दुर्घटनाएँ

इकाई 4: प्रदूषण और वनअपरोपण - वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, औद्योगिक अपशिष्टजल प्रदूषण, वनअपरोपण

भाग 4 आपदा निर्धारक

इकाई 1: क्षति को प्रभावित करने वाले कारक - प्रकार, जनसँख्या माप, सामाजिक स्थिति, आवास प्रतिरूप, शरीर विज्ञान और जलवायु।

इकाई 2: शमन उपायों को प्रभावित करने वाले कारक, पूर्वानुमान, तैयारी, संचार, क्षेत्र और पहुंच, जनसंख्या, शरीर विज्ञान और जलवायु

पाठ्यक्रम निष्कर्ष:
छात्र इन आपदाओं के कारण होने वाले जोखिम को न्यून करने हेतु विभिन्न प्रकार के आपदाओं एवं उपायों के बारे में जान सकेंगे। साथ ही छात्र आपदा प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर के संस्थागत ढांचा के बारे में भी जान सकेंगे।

पाठ्य पुस्तकें :

• डिज़ास्टर एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट, टेक्स्ट एंड केस स्टडीज़ - एस एल गोयल - दीप एंड दीप पब्लिकेशन

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - जी के घोष - ए पी एच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - एस.के.सिंह, एस.सी. कुंडू, शोभा सिंह ए - 119, विलियम प्रकाशन, नई दिल्ली।

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - विनोद के शर्मा- आईआईपीए, नई दिल्ली, 1995

• एन्साइक्लोपीडिया ऑफ़ डिज़ास्टर मैनेजमेंट - गोयल एस एल - दीप एंड दीप पब्लिकेशंस, न्यू डेल्ही, 2006 .

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30 **स्नातकोत्तर पत्रोपाधि** उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

द्वितीय प्रश्नपत्र– आपदा प्रबंधन हेतु सूचना संचार प्रौद्योगिकी

अध्ययन के उद्देश्य:

- आईसीटी की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में शिक्षित करना।
- छात्रों को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में हाल की आईसीटी प्रौद्योगिकियों के बारे में शिक्षित करना।

भाग 1: कंप्यूटर सिस्टम

इकाई–प्रथम

कंप्यूटर, कंप्यूटर का मूल संगठन, कंप्यूटर का वर्गीकरण, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर भाषा, कंप्यूटर मेमोरी, मेमोरी के प्रकार (प्राथमिक और द्वितीयक), द्वितीयक भंडारण उपकरण, I / O उपकरण, अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर, सॉफ्टवेयर पैकेज, ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, डेटा वेयरहाउसिंग और डेटा माइनिंग.

भाग 2 :सूचना संचार प्रौद्योगिकी

इकाई–द्वितीय

व्यावसायिक डेटा प्रोसेसिंग- डेटा स्टोरेज पदानुक्रम, डेटा को व्यवस्थित करने के तरीके, फ़ाइल प्रबंधन डेटा संचार और कंप्यूटर नेटवर्क- संचार प्रणालियों के तत्व, डेटा ट्रांसमिशन मोड, गति, मीडिया; डिजिटल और एनालॉग डेटा ट्रांसमिशन, स्विचिंग तकनीक, रूटिंग तकनीक, नेटवर्क टोपोलॉजी, नेटवर्क के प्रकार, संचार प्रोटोकॉल, वायरलेस नेटवर्क, इंटरनेट, मल्टीमीडिया

भाग 3 : सूचना प्रसंस्करण

इकाई–तृतीय

परिभाषा, डेटा और सूचना के बीच मध्य अंतर, निर्णयन में सूचना की प्रासंगिकता, सूचना के स्रोत एवं प्रकार, सूचना की गुणवत्ता, सूचना का मूल्य, डेटा संग्रहण विधियां, सूचना की आवश्यकताओं का आकलन, प्रबंधन सूचना प्रणाली, निर्णयन संकल्पना- निर्णयन के नमू

भाग 4 उन्नत सूचना संचार प्रौद्योगिकी

इकाई–चतुर्थ

सुनामी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, वन संसाधन सूचना प्रणाली, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, आपातकालीन संचार प्रणाली, ब्लूटूथ और वायरलेस संचार, एचएएम रेडियो।

भाग 5 आपदा प्रबंधन सूचना के स्रोत

इकाई–पंचम

पूर्वानुमान और चेतावनी: भारतीय मौसम विभाग, सूनामी चेतावनी केंद्र, प्रशांत आपदा केंद्र, केंद्रीय जल आयोग;

संसाधन: यूएनआईएसडीआर, यूएसएआईडी, रेड क्रॉस, भारतीय आपदा संसाधन नेटवर्क

अन्य: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधीकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, भुवन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य और जिला आपदा प्रबंधन केंद्र

पाठ्य पुस्तकें :

- कंप्यूटर फंडामेंटल्स – पी. के. सिन्हा, बीपीबी प्रकाशन
- फंडामेंटल्स ऑफ़ कम्प्यूटर्स – वी. राजारमन - पीएचआई प्रकाशन, चतुर्थ संस्करण।
- फंडामेंटल्स ऑफ़ प्रोग्रामिंग - राज के.जैन – एस. चंद प्रकाशन
- डाटाबेस सिस्टम कॉन्सेप्ट - अब्राहम सिल्बरचत्ज और हेनरी कोर्थ, सुदर्शन: टाटा मैकग्रा-हिल- IV संस्करण, आईएसबीएन: 0-07-120413-X
- फंडामेंटल्स ऑफ़ डेटा बेस सिस्टम्स - एल्माश्री और नवाथे, एडिसन-वेस्ले, 1999, तृतीय संस्करण
- फंडामेंटल्स ऑफ़ रिमोट सेंसिंग - नोआम लेविन, नवंबर 1999
- इंट्रोडक्शन टू रिमोट सेंसिंग – डॉ. रॉबर्ट सैंडरसन - न्यू मैक्सिको स्टेट यूनिवर्सिटी

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)

अधिकतम -100

आंतरिक मूल्यांकन-30 **स्नातकोत्तर पत्रोपाधि** उत्तीर्णांक-40

लिखित परीक्षा-70

तृतीय प्रश्नपत्र-जोखिम आंकलन और भेद्यता विश्लेषण

अध्ययन के उद्देश्य:

- छात्रों को जोखिम आंकलन और भेद्यता विश्लेषण करने में प्रशिक्षित करना।
- छात्रों को भेद्यता न्यूनीकरण की रणनीतियों के बारे में शिक्षित करना।

भाग 1 परिचय

खतरा, जोखिम और भेद्यता, जोखिम अवधारणा, जोखिम के तत्व, जोखिम की धारणा, स्वीकार्य जोखिम, जोखिम मूल्यांकन में आवश्यकताएँ

भाग 2 जोखिम मूल्यांकन और न्यूनीकरण

इकाई 1: जोखिम न्यूनीकरण -

मुख्यधारा " जोखिम", आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका, जोखिम न्यूनीकरण की रणनीतियाँ, जोखिम न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता।

इकाई 2: जोखिम विश्लेषण तकनीक-

जोखिम आंकलन की प्रक्रिया, जोखिम आंकलन के लिए विश्लेषणात्मक प्रणाली, प्राकृतिक खतरा / जोखिम आंकलन, जलवायु जोखिम को समझना, जोखिम आंकलन का मानचित्रण, जोखिम न्यूनीकरण हेतु निर्णय करना, जोखिम आंकलन में समस्याएं।

इकाई 3: सहभागी जोखिम आंकलन:

जन भागीदारी का औचित्य, नागरिक समाज संगठनों की भूमिका, वैश्वीकरण का प्रभाव, जोखिम न्यूनीकरण में सामुदायिक कार्रवाई हेतु गतिविधियाँ और भूमिकाएँ, भागीदारी जोखिम आंकलन के तरीके।

इकाई 4: भेद्यता विश्लेषण और जोखिम आंकलन:

अर्थविषयक सम्बोधन, भेद्यता विश्लेषण के दृष्टिकोण, भेद्यता विश्लेषण के मॉडल, भेद्यता की मात्रा का निर्धारण, जोखिम भेद्यता का आंकलन और क्षमता विश्लेषण (VCA), हिमालयन इको सिस्टम की भेद्यता

इकाई 5: जीआईएस का उपयोग करते हुए खतरे का मानचित्रण, जोखिम आंकलन हेतु रिमोट सेन्सिंग एवं जीआईएस का उपयोग, जीआईएस का उपयोग करते हुए बहु खतरा विश्लेषण

भाग 3 भेद्यता

इकाई 1: भेद्यता का अवलोकन और धारणा- भेद्यता की पहचान, भेद्यता के प्रकार और आयाम, भेद्यता- सामाजिक कारक और आर्थिक कारक।

इकाई 2: झुग्गी बस्तियों के लिए भेद्यता- शहर में भेद्यता, शहरी क्षेत्रों में जोखिम, शहरी नियोजन में मुद्दे, भारत में जोखिम न्यूनीकरण हेतु पहल।

भाग 4 भेद्यता न्यूनीकरण हेतु रणनीतिक विकास:

भेद्यता न्यूनीकरण हेतु भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचा, भेद्यता न्यूनीकरण और नीति निर्माण हेतु पारस्परिक क्षेत्र, खतरा प्रतिरोधी डिजाइन और निर्माण, सिस्टम प्रबंधन, भेद्यता न्यूनीकरण हेतु रणनीतिक योजना।

पाठ्यक्रम निष्कर्ष: यह सुभेद्य क्षेत्रों की पहचान करने और आपदा से जुड़े जोखिम की गणना करने में मदद करेगा। आपदाओं के कारण नुकसान को कम करना।

पाठ्य पुस्तकें :

• डिज़ास्टर एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट , टेक्स्ट & केस स्टडीज़ - एस एल गोयल - दीप एंड दीप पब्लिकेशन

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - जी के घोष - ए पी एच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - एस के सिंह , एस सी कुंदू , शोभा सिंह A -119 , विलियम पब्लिकेशंस , न्यू डेल्ही

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - विनोद के शर्मा - एनआईडीएम , न्यू डेल्ही

• डिज़ास्टर रिस्क रिडक्शन इन साउथ एशिया - बाय प्रदीप साहनी - प्रेंटिस - हॉल ऑफ़ इंडिया

• डिज़ास्टर मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट पोस्ट - सुनामी पर्सपेक्टिव्स प , जगदीश गाँधी

• डिज़ास्टर मिटिगेशन - एक्सपेरिएंसेस एंड रेफ्लेक्शंस - बाय प्रदीप साहनी - प्रेन्टिस - हॉल ऑफ़ इंडिया

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30 **स्नातकोत्तर पत्रोपाधि** उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

चतुर्थ प्रश्नपत्र–आपदा प्रबंधन में अनुसंधान पद्धति

अध्ययन के उद्देश्य:

सिद्धांत और अनुप्रयोगी तकनीकों के संतुलित मिश्रण के साथ अनुसंधान प्रक्रिया की एक व्यापक और चरणबद्ध समझ पैदा करना; और अनुसंधान की समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से अनुसंधान परिकल्पना एवं कार्यप्रणाली की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए उन्हें सुविधा प्रदान करना।

भाग 1 परिचय

अर्थ, संकल्पना, प्राकृतिक चरण के प्रकार एवं अनुसंधान की विशेषताएं, अनुसंधान की वैज्ञानिक जाँच पड़ताल दर्शनशास्त्रीय एवं समाजशात्रीय आधार, अंतःविषय दृष्टिकोण और विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में इसके निहितार्थ।

भाग 2 अनुसंधान के तरीके

अनुसंधान के गुणात्मक और मात्रात्मक तरीके जैसे ऐतिहासिक, केस स्टडी, नृवंशविज्ञान, पूर्व व्यापी तथ्य, डॉक्यूमेंट्री और सामग्री विश्लेषण, सर्वेक्षण (सामान्य, वर्णनात्मक, मूल्यांकन आदि), क्षेत्र और प्रयोगशाला प्रायोगिक अध्ययन, अनुसंधान क्षेत्र में विधियों और उनके निहितार्थ की विशेषताएं।

भाग 3 अनुसंधान प्रस्ताव का विकास

अनुसंधान प्रस्ताव और उसके तत्व, स्रोतों और परिभाषा के अनुसंधान सम्बन्धी समस्या-मानदंडों का गठन, उद्देश्यों का विकास और उद्देश्यों की विशेषताएं, विकास परिकल्पना और अनुप्रयोग।

भाग 4 डेटा संग्रहण और विश्लेषण के तरीके

नमूनाकरण की अवधारणा और नमूनाकरण से संबंधित अन्य अवधारणाएं । संभाव्यता और गैर-संभाव्यता नमूने, उनकी विशेषताएं और निहितार्थ। डेटा संग्रहण के उपकरण, उनके प्रकार, विशेषताएँ और उपयोग। रिडिज़ाइनिंग, अनुसंधान उपकरण-जैसे प्रश्नावली, विचार, अवलोकन, साक्षात्कार, माप और परीक्षण आदि। विभिन्न उपकरणों के आधार पर गुणात्मक डेटा का विश्लेषण। टेबल, ग्राफ़ आदि के साथ मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण और इसका प्रस्तुतीकरण । डेटा विश्लेषण के सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक केंद्रीय प्रवृत्ति, फैलाव हेतु उपाय । प्राचलिक एवं गैर - प्राचलिक परीक्षणों के माध्यम से परिकल्पना परीक्षण के साथ निर्णय लेना। अनुसंधान निष्कर्षों की वैधता और परिसीमन।

भाग 5 प्रतिवेदन 'रिपोर्ट' लेखन और मूल्यांकन

शैली पुस्तिका के अनुसार प्रतिवेदन लेखन के सिद्धांत और दिशा निर्देश, प्रारंभिक, मुख्य भाग और प्रतिवेदन के संदर्भ अनुभाग का लेखन एवं प्रस्तुतीकरण , अनुसंधान प्रतिवेदन का मूल्यांकन।

पाठ्यक्रम का परिणाम :

आपदा प्रबंधन के हर पहलू में अनुसंधान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित और वैज्ञानिक रूप से कुशल अनुसंधान पेशेवरों और प्रबंधकों को प्रदान करके यह पाठ्यक्रम आपदा प्रबंधन टीम के लिए एक पूंजी हो सकता है।

पाठ्य पुस्तकें :

- मेथड्स ऑफ़ सोशल सर्वे एंड रिसर्च - बाजपाई एस आर (1975)- किताबघर , कानपुर
- थ्योरी एंड प्रैक्टिस इन सोशल रिसर्च - हंस राज (1988)- सुरजीत पब्लिकेशन , कोल्हापुर
- मेथोडॉलजी ऑफ़ रिसर्च इन सोशल साइंस - कृष्णास्वामी ओ आर (1988) - हिमालय पब. हाउस
- क्वांटिटेटिव टेक्निक - कोठारी सी आर (2005)- विकास पब्लिकेशन हाउस , न्यू डेल्ही
- डेवलपमेंट ऑफ़ रिसर्च टूल्स - गौतम एन सी (2004) श्री पब्लिशर्स - न्यू डेल्ही
- रिसर्च मेथोडॉलजी एंड स्टेस्टिकल टेक्निक्स - गुप्ता संतोष (2005)- दीप एंड दीप पब्लिकेशंस

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30

उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

पंचम प्रश्नपत्र – आपदा तैयारी

अध्ययन के उद्देश्य :

- छात्रों को आपदाओं हेतु तैयारी के उपाय सीखना।
- छात्रों को आपदा तैयारी योजना तैयार करने में प्रशिक्षित करना।

भाग 1 परिचय

आपदा प्रबंधन चक्र, आपदा तैयारी: अवधारणा और महत्व, आपदा तैयारी उपाय, आपदा तैयारी के लिए संस्थागत तंत्र, विशिष्ठ आवश्यकताओं / सुभेद्य समूहों के साथ आपदा की तैयारी, आपदा तैयारी: नीति और कार्यक्रम।

भाग 2 आपदा तैयारी योजना

संकल्पना और महत्व, अनिवार्य आपदा तैयारी योजना, समुदाय आधारित आपदा तैयारी योजना।

भाग 3 आपदा तैयारी

इकाई 1: सामग्री, आवश्यक राहत - राहत के स्रोत, परिवहन के तरीके एवं साधन, चिकित्सा सुविधा और संचार नेटवर्क, जनशक्ति की तैयारी, नुकसान के प्रति जागरूकता, धारणा, प्रतिक्रिया समय। प्राधिकरण: पदानुक्रम व्यवस्था, संचार की दिशा।

इकाई 2: खतरे की निगरानी, ट्रैकिंग और मॉडलिंग, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, चेतावनी प्रोटोकॉल, भारत आपदा संसाधन नेटवर्क, आपातकालीन स्वच्छता / आश्रय वातावरण, सबसे खराब परिदृश्य विश्लेषण, आपातकालीन संचालन केंद्र, सूचना, शिक्षा, संचार और प्रशिक्षण की भूमिका।

भाग 4 आपदा प्रबंधन में उभरती हुई प्रौद्योगिकीयां

रिमोट सेंसिंग, डिजास्टर मानचित्रण, एरियल फोटोग्राफी, लैंड यूजिंग ज़ोनिंग, वायरलेस एवं रेडियो, एचएएम रेडियो।

पाठ्यक्रम निष्कर्ष :

एक संरचनात्मक तैयारी योजना आपदाओं से जुड़े जोखिम को कम करने में मदद करेगी।

पाठ्य पुस्तकें :

• डिज़ास्टर एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट , टेक्स्ट & केस स्टडीज़ - एस एल गोयल - दीप एंड दीप पब्लिकेशन

• नेचुरल हैज़ार्डस एंड डिज़ास्टर मैनेजमेंट : वल्नरबिलिटी एंड मिटिगेशन - आर वी सिंह - रावत पब्लिकेशंस

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - जी के घोष - ए पी एच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन • डिज़ास्टर मैनेजमेंट - विनोद के शर्मा - एनआईडीएम , न्यू डेल्ही

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - एस के सिंह , एस सी कुंदू , शोभा सिंह A -119 , विलियम पब्लिकेशंस , न्यू डेल्ही

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट विनोद के शर्मा - आई आई पी ए , न्यू डेल्ही , 1995

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)
स्नातकोत्तर पत्रोपाधि

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30

उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

षष्ठ प्रश्नपत्र – आपदा प्रतिक्रिया

अध्ययन के उद्देश्य :

- छात्रों को आपदा स्थल स्थिति की ओर प्रवृत करना।
- आपदा प्रतिक्रिया तकनीक सिखाना।
- छात्रों को आपदा प्रतिक्रिया संगठनों के बारे में शिक्षित करना।

भाग 1 परिचय

इकाई 1: आपदा प्रतिक्रिया के आवश्यक घटक, आपदा प्रतिक्रिया योजना, संसाधन प्रबंधन- वित्तीय, चिकित्सा, उपकरण, संचार, मानव, परिवहन, खाद्य और आवश्यक वस्तु (पहचान, खरीद, प्रस्ताव और तैनाती), निर्देशन और नियंत्रण कार्य।

इकाई 2: संचार, भागीदारी और आपातकालीन तैयारी योजना का सक्रियण, संभार तंत्र प्रबंधन, आपातकालीन सहायता कार्य, आवश्यकता और क्षति का आकलन ।

भाग 2 आपदा प्रतिक्रिया में समन्वय

आपदा प्रतिक्रिया संगठन, आपदा प्रतिक्रिया और प्रशासन - केंद्रीय, राज्य, जिला और स्थानीय, आपदा प्रतिक्रिया: नीति और अन्य संगठन, आपदा प्रतिक्रिया में अनेक हितधारकों की भूमिका एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, एसआरटीएफ, ईएमएस

भाग 3 त्वरित आपदा प्रतिक्रिया

इकाई 1: प्रथम प्रतिक्रियादाता, प्राथमिक चिकित्सा उपचार, जीवन रक्षक तकनीक, स्वर्णिम समय।

इकाई 2: खोज और बचाव उपकरण- विभिन्न आपदाओं के लिए खोज और बचाव उपकरण, इसका उपयोग, खरीद, रखरखाव।

इकाई 3: खोज और बचाव टीमें- चेतावनी दल, निकासी दल, चिकित्सा सहायता, संभार तंत्र प्रबंधन और अन्य दल ।

इकाई 4: व्यक्तिगत और समूह व्यवहार, मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया, आघात और तनाव प्रबंधन, अफवाह और घबराहट प्रबंधन।

भाग 4 राहत उपाय

राहत के उपाय, राहत के न्यूनतम मानक, राहत के प्रबंध, निधियों के द्वारा राहत, पुनर्लाभ ।

पाठ्यक्रम निष्कर्ष:

प्रशिक्षित छात्र एक प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में कार्य कर सकते हैं और ऑनसाइट स्थितियों को संभाल सकते हैं।

पाठ्य पुस्तकें :

- डिज़ास्टर एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट , टेक्स्ट & केस स्टडीज़ - एस एल गोयल - दीप एंड दीप पब्लिकेशन
- डिज़ास्टर प्लानिंग एंड रिकवरी - लेविट एलन एम - जॉन वेली एंड संस न्यू यॉर्क 1997
- राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया योजना - कृषि और सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली: 2002
- राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया योजना, एनसीडीएम, नई दिल्ली, 2001
- डिज़ास्टर मैनेजमेंट - एस के सिंह , एस सी कुंदू , शोभा सिंह A -119 , विलियम पब्लिकेशंस , न्यू डेल्ही
- डिज़ास्टर मैनेजमेंट -विनोद के शर्मा - एनआईडीएम, न्यू डेल्ही

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)
स्नातकोत्तर पत्रोपाधि

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30 उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

सप्तम प्रश्नपत्र – पुनर्वास, पुनर्निर्माण एवं पुनरुत्थान

अध्ययन के उद्देश्य

- पुनरुत्थान और पुनर्वास में आपदा के बाद के मुद्दों को समझना ।
- पुनर्निर्माण को आपदारोधी संरचनाओं और सुरक्षित निवास स्थान के निर्माण के अवसर के रूप में संपादित करना ।

भाग 1: पुनर्वास, पुनर्निर्माण और विकास

इकाई 1: पुनर्निर्माण पुनर्वास और विकास- संकल्पना, अर्थ, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के प्रकार, आपदा न्यूनीकरण का महत्व, लागत - लाभ विश्लेषण, भेद्यता और विकास के बीच संबंध।

इकाई 2: क्षति का आकलन- आपदा पश्चात् क्षति का आकलन, संभावित आपदाओं के कारण अनुमानित क्षति का आकलन, सैंपल सर्वे, महामारी निगरानी, पोषण केंद्रित स्वास्थ्य आंकलन, रिमोट सेंसिंग और एरियल फोटोग्राफी, विभिन्न आपदाओं के कारण प्रकृति और घरों एवं अवसंरचनाओं की क्षतिव

इकाई 3: पुनर्वास में विभिन्न संगठन की भूमिका सरकार और आपदा वसूली और पुनर्वास; आपदा और सरकारी प्रयास; स्थानीय संस्थानों की भूमिका; बीमा, पुलिस, मीडिया।

भाग 2 : पुनर्निर्माण

इकाई 1: शीघ्र पुनर्निर्माण- आवश्यक सेवाएं, सामाजिक अवसंरचना, तत्काल आश्रय / शिविर, पुनर्निर्माण के लिए आकस्मिक योजना।

इकाई 2: भौतिक और आर्थिक अवसंरचना का विकास- भौतिक और आर्थिक अवसंरचना का विकास, पर्यावरणीय अवसंरचना विकास।

इकाई 3: आपदारोधी गृह निर्माण - आपदारोधी निर्माण हेतु दिशानिर्देश, परंपरागत तकनीक ,कम वर्षा / अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में घरों की भूकंपीय मजबूती, भूकंप रोधी निर्माण तकनीक।

इकाई 4: निधियन व्यवस्था- राज्य स्तर और केंद्रीय स्तर पर निधियन व्यवस्था, राजकोषीय अनुशासन, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की भूमिका, संसाधन निर्माण के लिए समुदाय को एकजुट करना ।

भाग 3 : पुनर्वास

इकाई 1: सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास- अस्थायी आजीविका विकल्प और सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास,

इकाई 2: गृह /भवन निर्माण प्राधिकरणों की भूमिका- शिक्षा और जागरूकता तथा सूचना प्रसार की भूमिका, सहभागिता पुनर्वास।

इकाई 3: पुनरुत्थान कार्य में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका- पुनर्वास कार्य की निगरानी और मूल्यांकन, पुनर्वास प्रक्रिया।

भाग 4 : पुनरुत्थान

पुनरुत्थान की अवधारणा, आजीविका और पुनर्निर्माण के दृष्टिकोण, आजीविका बहाली, शीघ्र पुनरुत्थान, सुरक्षित विकास के साथ पुनरुत्थान का जुड़ाव, दीर्घकालिक रोजगार के अवसरों का सृजन ।

पाठ्यक्रम निष्कर्ष:

यह पाठ्यक्रम सतत विकास के माध्यम से छात्रों को सुरक्षित पर्यावरण बनाने में मदद करेगा। इस पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों से आपदा पूर्व एवं पश्चात् क्षति के आकलन, आपदा पुनरुत्थान एवं पुनर्वास में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका को समझने की उम्मीद की जाती है ।

पाठ्य पुस्तकें :

- एशियन डेवलपमेंट बैंक , डिज़ास्टर मिटिगेशन इन एशिया एंड दी पसिफ़िक , मनिला एडीबी, 1991
- डिज़ास्टर एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट , टेक्स्ट & केस स्टडीज़ - एसएल गोयल -दीप एंड दीप पब्लिकेशंस
- डिज़ास्टर मैनेजमेंट - जी के घोष - ए पी एच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन
- डिज़ास्टर मैनेजमेंट- एस के सिंह , एस सी कुंदू , शोभा सिंह A -119 , विलियम पब्लिकेशंस , नई दिल्ली।
- डिज़ास्टर मैनेजमेंट- विनोद के शर्मा - आईआईपीए , नई दिल्ली, 1995
- एन्साइक्लोपीडिया ऑफ़ डिज़ास्टर मैनेजमेंट- गोयल एस एल- दीप एंड दीप पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2006
- पोस्ट -अर्थक्वेक रिहैबलिटेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन , एफ वाई चेंग , वाई वाई वांग , परमागोन पब्लिकेशंस

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय (भोपाल म.प्र.)
स्नातकोत्तर पत्रोपाधि

अधिकतम –100

आंतरिक मूल्यांकन–30 उत्तीर्णांक–40

लिखित परीक्षा–70

अष्टम प्रश्नपत्र–आपदा प्रबंधन की नीति और प्रशासन

अध्ययन के उद्देश्य :

- आपदा जोखिम की पहचान, मूल्यांकन और निगरानी के लिए कुशल तंत्र सुनिश्चित करना।
- ज्ञान, नवाचार और शिक्षा के माध्यम से सभी स्तरों पर रोकथाम और प्रतिरोध क्षमता का विकास।

भाग 1 - परिचय

आपदा प्रवंधन: अर्थ, अवधारणा, महत्व , आपदा प्रबंधन नीति के उद्देश्य , भारत में आपदा जोखिम, आपदा प्रवंधन में प्रतिमान विस्थापन।

भाग 2 - आपदा प्रबंधन नीति

आपदा प्रवंधन नीति का महत्व, आपदा प्रबंधन नीति के सिद्धांत, आपदा प्रबंधन नीति की विशेषताएं, नीति निर्माण प्रक्रियाएं, नीति निर्माता, आपदा प्रबंधन में आदेश और समन्वय।

भाग 3 आपदा प्रबंधन प्रशासन

राष्ट्रीय आपदा प्रवंधन नीति, आपदा प्रबंधन के लिए संस्थागत ढांचा, भारत में मौजूदा संस्थागत व्यवस्था, राज्य आपदा प्रवंधन नीति, आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु अंतर्राष्ट्रीय रणनीति, आपदा प्रबंधन में शामिल अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संगठन।

भाग 4 आपदा प्रबंधन और तकनीकी कानूनी शासन पद्धति

आपदाओं के विभिन्न चरणों में विभिन्न उपायों का अध्ययन, नगरपालिका के नियमों का पुनः अवलोकन, भूमि उपयोग योजना, सुरक्षित निर्माण अभ्यास, प्रशिक्षण और क्षमता विकास।

भाग 5 केस अध्ययन

आपदा प्रबंधन पर भारतीय राष्ट्रीय नीति का सारांश, एशियाई / अफ्रीकी देशों की आपदा प्रबंधन नीति, संयुक्त राज्य अमेरिका की आपदा प्रबंधन नीति।

पाठ्यक्रम निष्कर्ष:

इस पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों से भारत में आपदा जोखिम, आपदा प्रबंधन के महत्व, संस्थागत ढांचे, आपदा प्रबंधन में नीति और एक ठोस आपदा प्रबंधन नीति के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करने की उम्मीद की जाती है।

पाठ्य पुस्तकें -

• डिज़ास्टर एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट , टेक्स्ट & केस स्टडीज़ - एसएल गोयल -दीप एंड दीप पब्लिकेशंस

• नेचुरल हैज़ार्डस एंड डिज़ास्टर मैनेजमेंट : वल्नरेबिलिटी एंड मिटिगेशन - आर बी सिंह - रावत पब्लिकेशंस

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - जी के घोष - ए पी एच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट- एस के सिंह , एस सी कुंदू , शोभा सिंह A -119 , विलियम पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट - एच के गुप्ता , 2003

• डिज़ास्टर मैनेजमेंट- विनोद के शर्मा - आईआईपीए , नई दिल्ली, 1995